लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 11 May 2023

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: पीएचडी में दाखिले नए अध्यादेश के हिसाब से होंगे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में संशोधित पीएचडी ऑर्डिनेंस बनकर तैयार है। इसे यूजीसी के नियमों के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मद्देनजर बनाया गया है। नए ऑर्डिनेंस के हिसाब से ही 2023-24 सत्र में दाखिले लिए जाएंगे। इसे जल्द ही पीएचडी ऑर्डिनेंस कमेटी के सामने पेश किया जाएगा। उसके बाद आगामी कार्य परिषद की बैठक में पास कराकर लागू कर दिया जाएगा। जिसके बाद ही नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। फिलहाल एडमिशन सेल की ओर से पीएचडी सत्र 2023-24 के एडमिशन अगस्त माह में शुरू करने की योजना है। गौरतलब है कि ऑर्डिनेंस बनाने के लिए दो कमेटी बनी है।

अहम बदलाव किया

संशोधित अध्यादेश में अहम बदलाव किया गया है। चार साल के स्नातक व एक साल का परस्नातक करने के बाद या फिर चार साल के स्नातक में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने पर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने का मौका मिलेगा। अध्यादेश में दिव्यांगों को पीएचडी पूरा करने के लिए दस साल का समय दिया जाएगा।

शोधार्थियों ने भारतीय सौंदर्यशास्त्र को जाना

लखनऊ। एलयू के दर्शन शास्त्र विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा पर दो दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। यहां मुख्य वक्ता अगरतला के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. पवन दीक्षित रहे। उन्होंने भारतीय सौंदर्यशास्त्र सिद्धांत पर वक्तव्य देते हुए कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों की प्रासंगिकता या समावेशिता हो, दोनों ही बातो में भारतीय सौंदर्य शास्त्र इससे सहमत है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की जरूरत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में बुधवार को एजुकेशन लीडरशिप एंड मैनेजमेंट इन हायर एजुकेशन विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ लालता प्रसाद ने कहा कि किसी भी संस्थान की कार्यप्रणाली को प्रभावी नेतृत्वकर्ता सुचारू रूप से चला सकता है।

यह भी कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की जरूरत है। शिक्षा में जितनी गुणवत्ता होगी, संस्थान उतनी ही प्रगति करेगा और ऐसा प्रभावी नेतृत्वकर्ता ही कर सकता है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सहित अन्य शिक्षक व विद्यार्थी थे। (संवाद)

टीचिंग प्रैक्टिस की परीक्षा 17 को

लखनऊ। लविवि में बीएड तीसरे सेमेस्टर की टीचिंग प्रैक्टिस विषय की परीक्षा 17 मई को कॉल्विन ताल्लुकेदार्स कॉलेज में होगी। विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार ने बुधवार को पत्र जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। परीक्षार्थियों को सुबह आठ बजे उपस्थित होना है। (संवाद)

विज्ञान कांग्रेस के लिए कमेटी गठित

लखनऊ। लविवि में 109वीं विज्ञान कांग्रेस के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 11 सदस्यीय कमेटी बना दी है। इसमें आयोजक सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. मसूद सिद्दीकी, प्रो. विवेक सहाय, डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह, रजिस्ट्रार और स्वयं कुलपति शामिल हैं। उधर, विज्ञान कांग्रेस को लेकर वाद विवाद प्रतियोगिता कराई गई। फिजिक्स सोसायटी की प्रतियोगिता में छात्रों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी के पहलुओं और समाज पर उनके प्रभावों पर तर्क रखे। मौके पर प्रो. एनके पांडे, प्रो. मनीषा गुप्ता थे। (संवाद)

एनईपी में सांस्कृतिक मूल्यों की प्रासंगिकता

लखनऊ। लविवि के दर्शन शास्त्र विभाग में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा की व्याख्यानमाला के क्रम में दो दिवसीय अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य वक्ता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अगरतला के प्रो. पवन दीक्षित ने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) में सांस्कृतिक मूल्यों की प्रासंगिकता और समावेशिता का पूरा ध्यान रखा गया है। भारतीय सौंदर्य शास्त्र इससे पूर्णतया सहमत है। मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव, प्रो. राकेश चंद्रा, डॉ. प्रशांत शुक्ला सहित शोधार्थी और परास्नातक के विधार्थी थे। (संवाद)

बीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 को

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड तृतीय सेमेस्टर (सत्र 2021-23) के प्रैक्टिस इन टीचिंग की परीक्षा की तिथि तय कर दी. यह परीक्षा 17 मई को काल्विन तालुकेदार्स कालेज मे होगी. शिक्षा शास्त्र संकाय के डीन प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि सभी विद्यार्थियों को सुबह आठ बजे लेसन प्लान की कापी, क्रिटिसिज्म बुक एवं सभी विषय का के फाइनल लेसन प्लान के साथ कालेज मे रिपोर्ट करनी होगी.

शिक्षा शास्त्र संकाय में हुआ व्याख्यान

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय मे बुधवार को एजुकेशन लीडरशिप एंड मैनेजमेंट इन हायर एजुकेशन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर डा. लालता प्रसाद ने कहा कि उच्च शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र मे गुणवत्ता संवर्धन की आवश्यकता को प्रभावी नेतृत्व के माध्यम से पूरा किया जा सकता है. इस अवसर पर विभाग के प्रो.मुनेश कुमार, डीन प्रोफेसर दिनेश कुमार व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे.

भारतीय सौंदर्य सिद्धांत पर हुई चर्चा

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग मे बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा की व्याख्यानमाला के अंतर्गत दो दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया. भारतीय सौंदर्य सिद्धांत विषय पर हुए इस व्याख्यान मे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अगरतला के हेड प्रो.पवन दीक्षित ने चर्चा की. इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रजनी श्रीवास्तव, प्रो. राकेश चंद्र, डा.प्रशांत शुक्ला के साथ शोधार्थी और परास्नातक के विधार्थी भी उपस्थित रहे.

भौतिक विज्ञान विभाग में डिबेट आयोजित

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अंतर्गत एलयू के भौतिक विज्ञान विभाग की भौतिकी सोसायटी ने युवाओं को प्रेरित करने के लिए पूर्ववर्ती कार्यक्रमों की योजना बनाई है. इसकी श्रृंखला की शुरुआत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक जुड़ाव विषय पर डिबेट से हुई. विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडे, प्रो. मनीषा गुप्ता और प्रो. एसपी. सिंह ने न्यायाधीश के रूप मे कार्य किया. प्रतिभागियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं और समाज पर उनके प्रभावों पर चर्चा की. कार्यक्रमों की इन श्रृंखलाओं का समन्वयन प्रो. लीना सिन्हा और डा. ज्योत्सना सिंह द्वारा प्रो. एनके पांडेय की देखरेख मे किया जाएगा.

i-NEXT PAGE 6

विज्ञान कांग्रेस से पहले प्रतियोगिताएं

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयो एवं कालेजो मे कार्यक्रम के लिए यूजीसी को भेजा जाएगा पत्र

LUCKNOW (10 May): लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन से पहले देशभर के विश्वविद्यालयों एवं कालेजों में विज्ञान से जुड़े कई कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी. इसके लिए विश्वविद्यालय यूजीसी के साथ राजभवन को भी पत्र लिखेगा, ताकि वहां से सभी संस्थानों के लिए गाइडलाइन जारी की जा सके. इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को लवि अपने यहां विज्ञान कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगा. बुधवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसके लेकर चर्चा हुई.

हास्टल सुविधाओं पर हुई चर्चा

डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बुधवार को चीफ प्रोवोस्ट और निर्माण अधीक्षक के साथ बैठक की. इसमें सभी हास्टल मे होने वाले कार्यो मे खर्च को लेकर प्रस्ताव दिया गया. हास्टल में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने पर जोर दिया गया.

शनिवार तक बनाना होगा बजट का प्रस्ताव

इस आयोजन को लेकर खर्च होने वाले बजट का प्रस्ताव तैयार करने के लिए भी टीम बनाई गई है. इसमें एप्लाइड इकोनामिक्स के प्रो. बिमल जायसवाल, डा. नागेंद्र मौर्या, कामर्स विभाग की डा. आकृति जायसवाल, डा. ऋषिकांत और एकाउंट्स से दो लोग शामिल किए गए है. शनिवार तक बजट का प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा गया है.

बनाई जा रही रूपरेखा

विज्ञान कांग्रेस की आयोजन सचिव प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इस भव्य आयोजन से पहले सभी विश्वविद्यालय और कालेज अपने यहां विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं कराएं, इसकी रूपरेखा बन रही है. बिजनेस साइंस आइडिया पर भी प्रतियोगिताएं होंगी. विजेताओं को यहां बुलाया जाएगा. उन्होंने बताया कि विज्ञान कांग्रेस के दौरान कुछ एमओयू भी हों, इस पर भी रूपरेखा बन रही है.

सलाहकार समिति बनी

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन को लेकर एक सलाहकार समिति का गठन कर दिया गया है. कुलपति इसके चेयरमैन हैं. वित्त अधिकारी, आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी, स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. गीतांजलि मिश्रा, सांख्यिकी विभाग के हेड प्रो. मसूद सिद्दीकी, गणित विभाग के हेड प्रो. विवेक सहाय, निदेशक आइपीपीआर, प्राक्टर, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह, कुलसचिव संजय मेधावी बतौर सदस्य तथा प्रो. पूनम टंडन सदस्य सचिव बनाए गए हैं.

संशोधित अध्यादेश से होंगे दाखिले

विद्यार्थी सीधे पीएचडी मे प्रवेश ले सकेंगे

LUCKNOW (10 May): लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के पीएचडी दाखिले संशोधित अध्यादेश के अनुसार होंगे. इसके तहत नई शिक्षा नीति के अनुसार चार साल का स्नातक करने वाले विद्यार्थी सीधे पीएचडी में प्रवेश ले सकेंगे.

अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए दो नए विकल्प की सुविधा भी मिलेगी. विश्वविद्यालय की ओर से बनाई गई समिति संशोधित अध्यादेश को अपने यहां लागू करने पर काम कर रही है. इसकी रिपोर्ट आने के बाद इसे फाइनल रूप दिया जाएगा. जुलाई से इसके लिए सीटों का विवरण जुटाना शुरू हो जाएगा. गौरतलब है कि यूजीसी की ओर से पीएचडी अध्यादेश में संशोधन कर उसे सभी विश्वविद्यालय को भेजा गया था, ताकि विश्वविद्यालय उसे अपने यहां भी लागू कर सकें. इसमें दिव्यांग व महिलाओं को पीएचडी पूरी करने के लिए अधिक समय भी दिए जाने सहित कई नए प्राविधान किए गए हैं.

लखनऊ यूनिवर्सिटी में तीन कंपनियां स्टूडेंट्स का कैंपस प्लेसमेंट करने के लिए आएंगी

एलयू में खुलेगा नौकरियों का पिटारा

LUCKNOW (10 May): लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के बाद स्थानीय से लेकर बड़ी कंपनियां यहां के छात्र-छात्राओं को प्लेसमेंट देने में रुचि दिखा रही हैं. इसी महीने तीन और कंपनियां भी कैंपस प्लेसमेंट के लिए आएंगी. इसके लिए गूगल फार्म के माध्यम से कंपनियों ने आवेदन मांगे हैं.

GOOD NEWS

कंपनी के प्रतिनिधि 20 मई को द्वितीय परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय मे आएंगे

एक नजर मे प्लेसमेंट के आंकड़े

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से कंपनी आईं	250	इंजीनियरिंग प्लेसमेंट सेल की ओर से कंपनी आईं	56
सर्वाधिक पैकेज	23.61 लाख रुपये सालाना		
छह महीने में प्लेसमेंट करीब	700	सत्र 2022-23 में प्लेसमेंट	454

डिजाइन मैंगो कंपनी

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल के मुताबिक इस कंपनी में क्रिएटिव राइटर की पोस्ट के लिए गूगल फार्म https://docs.google.com/forms/d/e/ vFAlpQLSdvYHSXSsVBeUpfo_vPkbCyNAJRrzZbfBegSs-Xa}s-i{C|cw/viewform के माध्यम से 11 मई तक आवेदन मांगे हैं. इसमें स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे.

मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड

इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल ने मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कंपनी और एसेंडियन कंपनी में नौकरी के लिए मौका दिया है. 13 मई तक स्नातक एवं परास्नातक छात्र-छात्राएं गूगल फार्म लिंक https://forms. gle/xk{~rzkYMMvUwBew~ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. रिलेशनशिप आफिसर पद पर अधिकतम तीन लख रुपये सालाना पैकेज पर चयन किया जाएगा. कंपनी के प्रतिनिधि 20 मई को कैंपस प्लेसमेंट के लिए द्वितीय परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय में आएंगे.

जेनपेक्ट कंपनी में चयन के लिए इंटरव्यू कल

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से जेनपेक्ट कंपनी ने विभिन्न पदों पर चयन के लिए आवेदन मांगे थे. सेल की निदेशक ने बताया कि बीबीए, बीकाम और एमबीए के विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे. बुधवार को उनकी काउंसलिंग की गई, जिसके बाद 40 विद्यार्थी साक्षात्कार के लिए चुने गए. 12 मई कंपनी ने साक्षात्कार के लिए बुलाया है. चयनित होने वालों को दो से तीन लाख रुपये तक का पैकेज मिलेगा.

एसेंडियन कंपनी

यहां टैलेंट स्पेशलिस्ट पद पर नौकरी के लिए लिंक httpsÑ// bit.ly/yyl}YYf के माध्यम से स्नातक व परास्नातक के छात्र-छात्राएं 13 मई तक आवेदन कर सकते हैं. चयनित विद्यार्थियों को 3.5 लाख रुपये प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा. कंपनी की ओर से वर्चुअल प्लेसमेंट ड्राइव 17 मई को होगी.

पॉलीटेक्निक डिप्लोमा पूरा होते मिलेगी जॉब

मल्टीनेशनल कंपनियों से किया जाएगा करार

LUCKNOW (10 May): प्राविधिक शिक्षा विभाग की पहल पर हर संस्थान अब मल्टीनेशनल कंपनियों से करार करेगा और नौकरी के अधिक से अधिक अवसर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएगा. इसी क्रम में मोहान रोड के राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पालीटेक्निक और मल्टीनेशनल कंपनी साफ्टप्रो के बीच करार किया गया. इसके माध्यम से हर साल परिसर में प्लेसमेंट मेले का आयोजन होगा. अंतिम वर्ष के विद्यार्थी मेले में हिस्सा ले सकते हैं.

सबको जॉब की तैयारी

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस संस्थान में हर साल 120 विद्यार्थी डिप्लोमा पूरा करते हैं. 40 से 60 प्रतिशत को प्लेसमेंट दिया जाता है. मल्टीनेशनल कंपनियों से करार करके शत-प्रतिशत को रोजगार दिलाने तैयारी की जा रही है. यह पहला संस्थान है जहां अनुसूचित जाति व जनजाति के विद्यार्थियों के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं. प्रधानाचार्य केके श्रीवास्तव ने बताया कि करियर की जानकारी के साथ ही अब उन्हें नौकरी मिलने लगी हैं.

लखनऊ पॉलीटेक्निक से भी करार

लखनऊ पालीटेक्निक ने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान की जानकारी दिलाने के लिए भी मेधज संस्थान से करार किया है. प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह ने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा के साथ ही करियर की जानकारी दी जाती है.

JAGRAN CITY PAGE III

विज्ञान कांग्रेस से पूर्व होंगी प्रतियोगिताएं

देश के विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम कराने के लिए **यूजीसी को** भेजा जाएगा पत्र

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) द्वारा 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन से पहले देशभर के विश्वविद्यालयों एवं कालेजों में विज्ञान से जुड़े कई कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय यूजीसी के साथ राजभवन को भी पत्र लिखेगा, ताकि वहां से सभी संस्थानों के लिए गाइडलाइन जारी की जा सके। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को लवि अपने यहां विज्ञान कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगा। बुधवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसके लेकर चर्चा हुई।

विज्ञान कांग्रेस की आयोजन सचिव प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इस भव्य आयोजन से पहले सभी विश्वविद्यालय और कालेज अपने यहां विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं कराएं, इसकी रूपरेखा बन रही है। बिजनेस साइंस आइडिया पर भी प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को यहां बुलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विज्ञान कांग्रेस के दौरान कुछ एमओयू भी हों, इस पर भी रूपरेखा बन रही है।

सलाहकार समिति बनी : भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन को लेकर एक सलाहकार समिति का गठन कर दिया गया है। कुलपति इसके चेयरमैन हैं। वित्त अधिकारी, आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी, स्थानीय आयोजन सचिव प्रो. गीतांजलि मिश्रा, सांख्यिकी विभाग के हेड प्रो. मसूद सिद्दीकी, गणित विभाग के हेड प्रो. विवेक सहाय, निदेशक आइपीपीआर, प्राक्टर, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह, कुलसचिव संजय मेधावी बतौर सदस्य तथा प्रो. पूनम टंडन सदस्य सचिव बनाए गए हैं।

शनिवार तक बनाना होगा बजट का प्रस्ताव : इस आयोजन को लेकर खर्च होने वाले बजट का प्रस्ताव तैयार करने के लिए भी टीम बनाई गई है। इसमें एप्लाइड इकोनामिक्स के प्रो. बिमल जायसवाल, डा. नागेंद्र मौर्या, कामर्स विभाग की डा. आकृति जायसवाल, डा. ऋषिकांत और एकाउंट्स से दो लोग शामिल किए गए हैं। शनिवार तक बजट का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है।

हास्टल सुविधाओं पर चर्चा : डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बुधवार को चीफ प्रोवोस्ट और निर्माण अधीक्षक के साथ बैठक की। इसमें सभी हास्टल में होने वाले कार्यों में खर्च को लेकर प्रस्ताव दिया गया।

लवि में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन से पहले बुधवार को भौतिक विज्ञान विभाग में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई • सौजन्य लवि

भौतिक विज्ञान विभाग में वाद-विवाद प्रतियोगिता

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अंतर्गत लवि के भौतिक विज्ञान विभाग की भौतिकी सोसायटी ने युवाओं को प्रेरित करने के लिए पूर्ववर्ती कार्यक्रमों की योजना बनाई है। इसकी श्रृंखला की शुरुआत "विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक जुड़ाव" विषय पर डिबेट से हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडे, प्रो. मनीषा गुप्ता और प्रो. एसपी. सिंह ने न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। प्रतिभागियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं और समाज पर उनके प्रभावों पर चर्चा की। कार्यक्रमों की इन श्रृंखलाओं का समन्वयन प्रो. लीना सिन्हा और डा. ज्योत्सना सिंह द्वारा प्रो. एनके पांडेय की देखरेख में किया जाएगा।

दर्शन शास्त्र विभाग में सौंदर्य सिद्धांत पर चर्चा

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा की व्याख्यानमाला के अंतर्गत दो दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय सौंदर्य सिद्धांत विषय पर हुए इस व्याख्यान में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अगरतला के हेड प्रो. पवन दीक्षित ने चर्चा की। इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रजनी श्रीवास्तव, प्रो. राकेश चंद्रा, डा. प्रशांत शुक्ला के साथ शोधार्थी और परास्नातक के विधार्थी भी उपस्थित रहे।

नौकरी के लिए मौका, करें आनलाइन आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के बाद स्थानीय से लेकर बड़ी कंपनियां यहां के छात्र-छात्राओं को प्लेसमेंट देने में रुचि दिखा रही हैं। इसी महीने तीन और कंपनियां भी कैंपस प्लेसमेंट के लिए आएंगी। इसके लिए गूगल फार्म के माध्यम से कंपनियों ने आवेदन मांगे हैं।

डिजाइन मैंगो कंपनी

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल के मुताबिक इस कंपनी में क्रिएटिव राइटर की पोस्ट के लिए गूगल फार्म https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSd1YHSXSsVBeUpfo_1PkbCyNAJRr5ZbfBegSs-Xa8s-i6C7cw/viewform के माध्यम से 11 मई तक आवेदन मांगे हैं। इसमें स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे।

मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड

इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल ने मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड कंपनी और एसेंडियन कंपनी में नौकरी के लिए मौका दिया है। 13 मई तक यूजी-पीजी के विद्यार्थी https://forms.gle/3k69rzkYMM1UwBew9 से आवेदन कर सकते हैं। रिलेशनशिप आफिसर पद पर तीन लख रुपये सालाना पैकेज पर चयन किया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधि 20 मई को लिए द्वितीय परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय में आएंगे।

साक्षात्कार कल

केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से जेनपेक्ट कंपनी ने विभिन्न पदों पर चयन के लिए आवेदन मांगे थे। सेल की निदेशक ने बताया कि बीबीए, बीकाम और एमबीए के विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे। बुधवार को उनकी काउंसलिंग की गई, जिसके बाद 40 विद्यार्थी साक्षात्कार के लिए चुने गए। 12 मई कंपनी ने साक्षात्कार के लिए बुलाया है। चयनित होने वालों को दो से तीन लाख रुपये तक का पैकेज मिलेगा। एसेंडियन कंपनी में टैलेंट स्पेशलिस्ट पद https://bit.ly/44I8YYf के माध्यम से स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थी 13 मई तक आवेदन कर सकते हैं। चयनित विद्यार्थियों को 3.5 लाख रुपये प्रतिवर्ष मिलेगा। कंपनी की ओर से वर्चुअल प्लेसमेंट ड्राइव 17 मई को होगी।

बीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 को

लवि ने बीएड तृतीय सेमेस्टर (सत्र 2021-23) के प्रैक्टिस इन टीचिंग की परीक्षा की तिथि तय कर दी। यह परीक्षा 17 मई को काल्विन तालुकेदार्स कालेज में होगी। शिक्षा शास्त्र संकाय के डीन प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को सुबह आठ बजे लेसन प्लान की कापी, क्रिटिसिज्म बुक एवं फाइनल लेसन प्लान के साथ कालेज में रिपोर्ट करनी होगी।

शिक्षा शास्त्र संकाय में व्याख्यान

लवि के शिक्षा संकाय में एजुकेशन लीडरशिप एंड मैनेजमेंट इन हायर एजुकेशन विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के एसोसिएट प्रो. लालता प्रसाद ने कहा कि उच्च शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्धन की आवश्यकता को प्रभावी नेतृत्व के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। यहां प्रो. मुनेश कुमार, डीन प्रोफेसर दिनेश कुमार व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

नए सत्र के पीएचडी दाखिले संशोधित अध्यादेश से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के पीएचडी दाखिले संशोधित अध्यादेश के अनुसार होंगे। इसके तहत नई शिक्षा नीति के अनुसार चार साल का स्नातक करने वाले विद्यार्थी सीधे पीएचडी में प्रवेश ले सकेंगे। अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए दो नए विकल्प की सुविधा भी मिलेगी। विश्वविद्यालय की ओर से बनाई गई समिति संशोधित अध्यादेश को अपने यहां लागू करने पर काम कर रही है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद इसे फाइनल रूप दिया जाएगा। (जासं)

HT PAGE 3

Lucknow Univ to host Indian Science Congress in Jan

LUCKNOW: The University of Lucknow is amping up to host the 109th Indian Science Congress in January. As part of the preparations, its Physics Society has planned a series of events, which included a debate on "science, technology, and social connect", to be coordinated by Prof. Leena Sinha and Dr. Jyotsna Singh.

PIONEER PAGE 3

गुणवत्ता संवर्धन प्रभावी नेतृत्व द्वारा संभवः डॉ. प्रसाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा बुधवार को एजुकेशन लीडरशिप एंड मैनेजमेंट इन हायर एजुकेशन विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें व्याख्याता के रूप में शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ लालता प्रसाद ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो दिनेश कुमार द्वारा अतिथि व्याख्याता को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए किया गया। विभाग के प्रोफेसर मुनेश कुमार ने अतिथि व्याख्याता का परिचय देते हुए व्याख्यान की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने व्याख्यान में डॉ प्रसाद ने कहा कि किसी भी संस्थान की कार्य प्रणाली को प्रभावी नेतृत्वकर्ता द्वारा सुचारू रूप से चलाया जा सकता है। नेतृत्वकर्ता को अपने नेतृत्वकार्य में संस्थान के सभी सदस्यों की सहभागिता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। डॉ प्रसाद ने आगे कहा कि उच्च शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्धन की आवश्यकता को प्रभावी नेतृत्व के द्वारा पूरा किया जा सकता है। अपने व्याख्यान में उन्होंने शैक्षिक नेतृत्व तथा प्रबंधन के सम्प्रत्यय अभिकल्प, नेतृत्वकर्ता के गुणए कार्य तथा विशेषताओं पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय एवं संस्थान उचित प्रबंधन एक सफल नेतृत्वकर्ता ही कर सकता है। विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों में नेतृवशीलता के गुण भविष्य मे उनके नेतृत्व शीलता की क्षमता को अभिवृद्धित करेंगे। जिससे संस्थान अपनी गुणवत्ता में सुधार करते हुए वाँछित उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में अग्रसर होंगे। कार्यक्रम के अन्त में प्रो श्रवण कुमार ने अतिथि व्याख्याता का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य, शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

विज्ञान, प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं व समाज पर इसके प्रभावों की चर्चा

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के दूरदर्शी नेतृत्व में आगामी 10 9 वीं भारतीय विज्ञान

लविवि में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

कांग्रेस की मेजबानी लविवि द्वारा की जाएगी। कुलपति के अनुसार इस कार्यक्रम के अग्रदूत के रूप में भौतिकी विभाग की सोसायटी युवाओं को प्रेरित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। विभिन्न प्रकार के पूर्ववर्ती कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। जो नियमित रूप से फिजिक्स सोसायटी द्वारा आयोजित की जाएंगी और घटनाओं की इस श्रृंखला का प्रारंभ विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक जुड़ाव विषय पर एक बहस द्वारा किया गया। कार्यक्रमों की

इन श्रृंखलाओं का समन्वयन प्रो. लीना सिन्हा और डॉ. ज्योत्सना सिंह द्वारा प्रो. एन.के. पांडेय की देखरेख में किया जाएगा। यह बहस वैज्ञानिक विकास पर एक बेहतर अंतर्दृष्टि प्रदान करने और विज्ञान और समाज के बीच एक तर्कसंगत संबंध स्थापित करने के लिए आयोजित की गई थी। इस प्रकार के वाद-विवाद छात्र के क्षितिज को चौड़ा करेंगे। प्रो. एन.के. पांडेय, प्रो. मनीषा गुप्ता और प्रो. एस.पी. सिंह ने न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। प्रतिभागियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं और समाज पर इसके प्रभावों पर चर्चा की। इस बहस ने न केवल विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया,बल्कि इसमें आने वाली चुनौतियों के व्यवहार्य समाधानों की पहचान करने में भी मदद की। वाद-विवाद के अध्यक्ष प्रो. ओंकार प्रसाद ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए वाद-विवाद का समापन किया ।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के लिए कमेटी गठित

लखनऊ। अगले वर्ष जनवरी 2024 के प्रथम सप्ताह से 109 वी भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के लिए वुधवार को कमेटी वना दी गई है, जिसमें लखनऊ

विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को चेयरमैन वनाया गया है, जवकि प्रोफेसर एसपी त्रिवेदी, फाइनेंस अफसर, चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर राकेश द्विवेदी, 6 वर्षो से एक ही हॉस्टल के वार्डन चीफ प्रोवोस्ट अनूप कुमार सिंह, गीतांजलि मिश्रा, मसूद सिद्दीकी, विवेक सहाय, आईपीपीआर निदेशक दुर्गेश श्रीवास्तव को सदस्य वनाया गया है, जवकि पूनम टंडन को मेंवर सेक्रेटरी वनाया गया है। सूत्र वताते है कि अव विश्वविद्यालय को सुंदर वनाने के लिए करोड़ों रुपए की धनराशि खर्च की जाएगी, ऐसे में यह कमेटी काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सूत्र वताते है कि केंद्र सरकार भी लखनऊ विश्वविद्यालय को विभिन्न प्रकार से आर्थिक मदद करेगा ।

VOL PAGE 4

सौंदर्य शास्त्र का रस प्रतीति मात्र तक ही स्थायी

लखनऊ। लविवि के दर्शन शास्त्र विभाग में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा की व्याख्यान माला के तहत दो दिन के व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के प्रमुख वक्ता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन दीक्षित रहे। इनके व्यक्तव्य का विषय द लेक्चर ऑन इंडियन एस्थेटिक थ्योरी रहा। उनका व्याख्यान नई शिक्षा नीति में जो सांस्कृतिक मूल्यों की प्रासंगिकता की बात हो या समावेशिता हो, दोनों ही बातो में भारतीय सौंदर्य शास्त्र इससे सहमत हैं, इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा। साथ ही उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि सौंदर्य शास्त्र की अपनी तत्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा हैं। सौंदर्य शास्त्र के रस सिद्धांत पर भी प्रकाश डालते हुए यह भी बताया कि रस केवल प्रतीति मात्र तक ही स्थायी होता हैं। इस व्याख्यान में दर्शन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रजनी श्रीवास्तव और साथ ही विभाग के अन्य शिक्षक प्रो राकेश चंद्रा, तथा डॉ प्रशांत शुक्ला उपस्थित रहे।